एम.एच.डी.-3

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

04615

एम.एच.डी.-3 : उपन्यास एवं कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'मैला आंचल' में चित्रित ग्रामीण जीवन में व्याप्त दलित एवं स्त्री-शोषण-परम्परा पर प्रकाश डालिए । *20*

अथवा

''काली' का गाँव से शहर को पलायन जाति-प्रथा के अभिशाप के परिणामस्वरूप हुआ था ।' इसे आलोचनात्मक टिप्पणी द्वारा स्पष्ट कीजिए । *20*

2. महाजन, ज़मींदार, अधिकारी और ग्राम-पंचायत के शोषण से घिरे सीधे-सादे होरी की त्रासदी को 'गोदान' के माध्यम से रेखांकित कीजिए । *20*

अथवा

'सिक्का बदल गया' में प्रस्तुत देश-विभाजन की त्रासदी पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । *20*

3. दलित स्त्री के प्रति उत्पीड़कों के शोषणयुक्त नज़रिये पर 'यह अंत नहीं' कहानी के माध्यम से प्रकाश डालिए । *20*

अथवा

'त्रिशंकु' कहानी के माध्यम से दो पीढ़ियों के द्वंद्व को रेखांकित कीजिए । *20*

4. 'सूखा बरगद' के माध्यम से मुस्लिम समाज के भीतर चल रहे सांस्कृतिक-आर्थिक संघर्ष का विवेचन कीजिए । *20*

अथवा

'भोलाराम का जीव' कहानी के माध्यम से भ्रष्ट नौकरशाही के चरित्र पर प्रकाश डालिए । *20*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×10=20*

(क) 'गोदान' की धनिया का चरित्र-चित्रण

(ख) 'मैला आंचल' की भाषा

(ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की भट्टिनी का चरित्र-चित्रण

(घ) ज्ञानों की प्रेमकथा का दुःखान्त

———